>

Title: Need to ensure the safety of people living in the vicinity of Sofipur Firing Range in Meerut, Uttar Pradesh.

श्री राजेन्द्र अग्रवाल (मेरठ): मेरे निर्वाचन क्षेत्र के अंतर्गत सेना की सोफीपुर फायरिंग रेंज स्थित है। यह रेंज ब्रिटिश काल में बनाई गई थी जिसका हर तीसरे वर्ष नवीनीकरण राज्य सरकार द्वारा किया जाता है। उक्त रेंज में मेरठ कैन्ट के सैनिक तथा मेरठ, गाजियाबाद, बिजनौर, मुजफ्फरनगर व मुरादाबाद आदि जिलों के एन.सी.सी. कैडेट्स को फायरिंग व गोला दागने का प्रशिक्षण दिया जाता है। वर्तमान में सोफीपुर, ललसाना, मामेपुर व उल्देपुर आदि गांव जिनकी जमीन रेंज में शामिल है, की आबादी बढ़ रही है जिसके परिणामस्वरूप उक्त रेंज आबादी के काफी नजदीक आ गई है। विगत वर्षों के दौरान सोफीपुर फायरिंग रेंज पर युद्धाभ्यास के दौरान गोलीबारी से हुकुम सिंह नामक 45 वर्षीय व्यक्ति की मौत हो चुकी है तथा अनेक व्यक्ति घायल होते रहे हैं। रेंज के आसपास के गांवों में दुर्घटना होने की आशंका बने रहने के कारण किसान अपने खेतों पर कृषि कार्य हेतु भी नहीं जा पा रहे हैं।

ग्रामीणों की मांग है कि उक्त रेंज के अधीन निर्मित तीनों बट्स को सुरक्षा के लिहाज से ऊँचा करा दिया जाए तथा तीनों रेंजों को पोखरन व महाजन रेंजों की भांति बफर रेंजों में परिवर्तित कर दिया जाए। ग्रामीणों की यह भी मांग है कि ब्रिटिश काल में घोषित डेंजर जोन को रिव्यू भी किया जाए उस समय उक्त डेंजर जोन तोप के गोलों से फायर करने की आवश्यकताओं को ध्यान में रखकर बनाया गया था जबकि वर्तमान में केवल स्माल आर्म्स फायरिंग होती है तथा उस समय निर्मित 9 में से 6 बटस वर्तमान में बंद भी हो चुकी है। ऐसी परिस्थितियों में लगभग 800 एकड़ जमीन में डेंजर जोन बनाए रखने का कोई औचित्य नहीं है।

मेरा अनुरोध है कि सोफीपुर रेंज के मामले में ग्रामीणों की मांग पर सहानुभूतिपूर्वक विचार करते हुए भारत सरकार तुंत आवश्यक कार्यवाही करें तथा रेंज के अंतर्गत पड़ने वाले गांवों के निवासियों की सुरक्षा सुनिश्चित करें।